

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनटीआर | बुधवार, 8 अप्रैल 2026

भारत को ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, यानी ऐसी अर्थव्यवस्था जो तेल, गैस या कोयले के आयात से पूर्णतः मुक्त होकर सुचारु रूप से कार्य कर सके।

- ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

ऊर्जा में आत्मनिर्भरता

पश्चिम एशिया के संकट में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह रहा है कि ऊर्जा के मामले में आयात पर निर्भरता कितनी कम हो, उतना अच्छा। आर्थिक प्रगति की रफ्तार बनी रहे, इसके लिए ईंधन की सख्त मांग में भी कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। ऐसे में तमिलनाडु के कलफक्कम में स्वदेशी प्रोटेस्टाइट फायर ब्रॉडर रिफ़ायर (PFBR) का क्रिटिकल होना ऐतिहासिक उपलब्धि है।



फायर ब्रॉडर रिफ़ायर

क्रिटिकल मतलब रिफ़ायर में निश्चित परमाणु प्रतिक्रिया शुरू हो गई है। बिजली उत्पादन से पहले यह एक महत्वपूर्ण चरण है। दुनिया में दूसरा। फ़ॉरम नॉट मोटी ने इस उपलब्धि को भारत की परमाणु शक्ति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना है। और चाकड़ों अब दूसरे देशों पर नजर डालें हैं, तो पता चलता है कि अभी केवल रूस के पास ही व्यावहारिक रूप से संचालित PFBR है यानी भारत इस मामले को कुछ देस मुक्त है।

लंबा खर्च। यह सफलता नतीजा है खत दशक पहले देखे गए सपने का। भारत के लंबे परमाणु सफर के प्रतीक तथ्य किए गए हैं। फलतः प्रेशावर हवा बॉयलर रिफ़ायर (PHWR), जिनमें ईंधन के रूप में यूरेनियम इस्तेमाल होता है। दूसरे चरण में फायर ब्रॉडर रिफ़ायर की स्थापना और तीसरे चरण में थोरियम का ईंधन के रूप में इस्तेमाल। PHWR में भारत को उल्लेख है, लेकिन इसके लिए यूरेनियम आयात करना पड़ता है। को, देश के सभ्यतागत इलाकों में थोरियम का विशाल भंडार है। सच्ची आत्मनिर्भरता का मतलब यह है कि बिजली बनाने के लिए ईंधन भी बाहर से न मांगना पड़े।

परमाणु बिजली का लक्ष्य। फायर ब्रॉडर रिफ़ायर बिजली बनाने के साथ ही अपने लिए ईंधन भी तैयार करेगा। यह कदम उस तीसरे चरण के लिए बेहद जरूरी है, जहां भारत परमाणु ऊर्जा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना चाहता है। इस फल से परमाणु बिजली के लक्ष्य को पाने में भी मदद मिलेगी। रिफ़ायर की क्षमता 500 मेगावाट है। सितंबर 2032 तक 22400 मेगावाट परमाणु बिजली बनाना चाहते हैं, अभी यह लगाना 8 हजार है।

देश की जरूरत। सितंबर 2017 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का महानियंत्रण लक्ष्य भी तय किया है। यह विलंबता संभव है, पर इसके लिए सुरक्षा, लागत और परमाणु ऊर्जा के प्रति आम लोगों के संदेह से जुड़े पहलुओं पर भी गौर करना होगा। जांचन, प्रंस और अर्थशास्त्री जैसे देश सुरक्षा किताबों के कारण ऐसे प्रॉजेक्ट बंद कर चुके हैं। हालांकि भारत की स्थिति और जरूरत, दोनों अलग हैं। उसके पास अपना ईंधन थोरियम है और कोई चिंता नहीं कि इसके इस्तेमाल की तकनीक पर न बाधा आए।

नाभि में तीर

जैसे दानवीर या महावीर, वैसे ही तस्वीर-वीर। पहले ही आँसुओं के थपड़ थपड़ तूफानी लगे, लेकिन ये थे बड़े प्रणयवादी। इनमें से तस्वीर-वीर अरुण तो हाल ही में इंद्राज कुमारी हैं। इधर आपने ऐसे लोगों को कभी देखा होगा, जो हदयम तस्वीरें खिंचवाने की तुलना में खते हैं। इसी प्रजाति को 'तस्वीर-वीर' नाम दिया गया है। जब से हर तरह में मोबाइल आया है, ऐसे लोगों की बढ़ आ गई है। यही चक्र है कि किसी भी समाज में कोई रिश्तेदारी इनसे बच नहीं सकता। आँसुओं के तस्वीर उतरवाने का फैसला बंद में मिलता है, इनकी तस्वीरें पहले क्लिक हो जाती हैं। इस पल तस्वीर क्लिक हुई, आगे ही फ्लैश रोशनी भंडिया में पर्याप्त कर दी जाती है। इनमें खोरे खाल लोगों के साथ इनकी धैर्यता होती है कि देखते ही देखते खुद ये भी खाल हो जाते हैं।

अब एक तस्वीर-वीर ने मुझे चौंका ही दिया है। सौम्य के साथ उसकी एक फुलकामी हुई तस्वीर छपी है अखबार में। मैंने अखबार में तो बाद में देखा तस्वीर, रोशनी भंडिया में सुकसे से ही छाई हुई है। वरुण, X, इन्टरग्राम, फेसबुक जहाँ हर जगह है उसकी मौजूदगी। ऐसा लग रहा है कि उसने नहीं, बल्कि सौम्य ने खुद आगे बढ़कर उसके साथ खिंचबाई है तस्वीर। हालांकि सौम्य के चेहरे से ज्यादा तस्वीर-वीर के चेहरे पर है। उसका चेहरा नगे-तजा है और सौम्य थके-माड़े लग रहे हैं।

देशन इस बात की है कि यह तस्वीर-वीर सौम्य सहचर के साथ वाली इस तस्वीर को किसनी जाह भुनाएगा और किसनी खर भुनाएगा, कल्पना नहीं की जा सकती है। इस मामले में तस्वीर-वीर का देवेंद्र अग्रवाल है। उसके लिए यह तस्वीर किसी तस्वीर से कम नहीं। इसकी मदद से वह हर छोटे-बड़े संकट का निवारण आसानी से कर सकता है। इनका कर्मा सौम्य सहचर के पता चल जाए कि उनकी तस्वीर अपनी करामती है, तो वह खुद भी अपनी तस्वीर का तस्वीर पहनना शुरू कर दे।

एकदा संकलन • दीपदयाल मुरारका

लक्ष्य का संकल्प

कनाडा के एक साधारण परिवार में जन्मे श्रीक विश्वोत्पल वचनप से ही दुर्द निश्चयी और सहासी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में उन्होंने एक सैनिक के रूप में भाग लिया, घायल हुए। बाद में उन्हें अमेरिकी सिगनाल निगम में भेजा। तत्पश्चात् भारत की स्वतंत्रता के बीच युद्ध में उन्हें एक गहरी सोझ दी - सबसे बड़ा संघर्ष मनुष्य के भीतर होता है। युद्ध के बाद उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में रुचि ली। उन्होंने अग्रिम, फेसबुक जहाँ हर जगह है उसकी मौजूदगी। ऐसा लग रहा है कि उसने नहीं, बल्कि सौम्य ने खुद आगे बढ़कर उसके साथ खिंचबाई है तस्वीर। हालांकि सौम्य के चेहरे से ज्यादा तस्वीर-वीर के चेहरे पर है। उसका चेहरा नगे-तजा है और सौम्य थके-माड़े लग रहे हैं।

देशन इस बात की है कि यह तस्वीर-वीर सौम्य सहचर के साथ वाली इस तस्वीर को किसनी जाह भुनाएगा और किसनी खर भुनाएगा, कल्पना नहीं की जा सकती है। इस मामले में तस्वीर-वीर का देवेंद्र अग्रवाल है। उसके लिए यह तस्वीर किसी तस्वीर से कम नहीं। इसकी मदद से वह हर छोटे-बड़े संकट का निवारण आसानी से कर सकता है। इनका कर्मा सौम्य सहचर के पता चल जाए कि उनकी तस्वीर अपनी करामती है, तो वह खुद भी अपनी तस्वीर का तस्वीर पहनना शुरू कर दे।

एकदा संकलन • दीपदयाल मुरारका

लक्ष्य का संकल्प

कनाडा के एक साधारण परिवार में जन्मे श्रीक विश्वोत्पल वचनप से ही दुर्द निश्चयी और सहासी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में उन्होंने एक सैनिक के रूप में भाग लिया, घायल हुए। बाद में उन्हें अमेरिकी सिगनाल निगम में भेजा। तत्पश्चात् भारत की स्वतंत्रता के बीच युद्ध में उन्हें एक गहरी सोझ दी - सबसे बड़ा संघर्ष मनुष्य के भीतर होता है। युद्ध के बाद उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में रुचि ली। उन्होंने अग्रिम, फेसबुक जहाँ हर जगह है उसकी मौजूदगी। ऐसा लग रहा है कि उसने नहीं, बल्कि सौम्य ने खुद आगे बढ़कर उसके साथ खिंचबाई है तस्वीर। हालांकि सौम्य के चेहरे से ज्यादा तस्वीर-वीर के चेहरे पर है। उसका चेहरा नगे-तजा है और सौम्य थके-माड़े लग रहे हैं।

होर्मुज़ संकट ने दिखाया कुछ समुद्री मार्ग ग्लोबल इकॉनमी के लिए कितने अहम संकरे रास्तों पर टिका व्यापार

हाल के वरसों में होर्मुज़ स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के आसपास बढ़ते तनाव ने दुनिया का ध्यान खींचा है। ये समुद्री मार्ग छोटे और संकरे ज़रूरी हैं, लेकिन इनका प्रभाव काफी बड़ा है। इसलिए इन्हें 'चेक पॉइंट्स' कहा जाता है। होर्मुज़ स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पड़ता है जल सागर के मधुरी पर। ये व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अर्थव्यवस्था को खतरा। अगर ये बंद हो जाए तो सख्त वैश्वीकरण होने का अर्थसा रहता है। तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई बढ़ने का भी खतरा है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी अस्थिर हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा को (IMF) के अनुसार, दुनिया में ऐसे करीब 24 'चेक पॉइंट्स' हैं, लेकिन 7-8 सर्वाधिक संवेदनशील हैं। इनके बंद होने से ऊर्जा और कंटेनर शिपिंग बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

रणनीतिक जलमार्ग। ये जलमार्ग महत्वपूर्ण हैं कि कोई देश खतरा बंद करने की तुलना नहीं करता। होर्मुज़ स्ट्रेट से ही दुनिया का करीब 20-25% तेल और काफी LNG गुजरता है। रूस नहर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट भिन्नकर करीब 12% वैश्विक व्यापार संचालित है। मलक्का स्ट्रेट से करीब 30% वैश्विक व्यापार होता है। फासा नहर अटलांटिक और प्रशांत महासागरों के

व्यापार के चौके पॉइंट्स

- होर्मुज़ स्ट्रेट दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग
- यूरोप और एशिया को जोड़ता है बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट
- मलक्का स्ट्रेट है पूर्वी एशिया का मुख्य व्यापार मार्ग

जोड़ती है और 5% कंटेनर व्यापार संचालित है। निजाल्टर स्ट्रेट, बोफोर्स स्ट्रेट और डाइनेलिस स्ट्रेट बाल्टिक सागर और यूरोप के लिए जरूरी हैं। साथ ही नवदान स्ट्रेट से 40% कंटेनर जहाज गुजरते हैं। इसलिए ये जलमार्ग बहुत रणनीतिक और संवेदनशील माने जाते हैं। दूसरे रास्ते लंबे। तीन कारणों से इन चौके पॉइंट्स को जरूरी माना जाता है। यहां से भारी मात्रा में व्यापार होता है। इसलिए अगर कोई सख्तबांद आती है तो उसका असर तुरंत दिखने लगता है। चौथा लंबावत बंद आती है, जहाजों को लंबा वरतना लेना पड़ता है। ताकत दिखाने का जरिया। इन रास्तों पर नियंत्रण रखने से कोई भी देश अपनी सैन्य ताकत दिखा सकता है। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा लगा रहता है।



और अपने व्यापार मार्गों को सुरक्षित कर सकता है। नैरेनिक शक्ति की प्रतिस्पर्धा में इन चौके पॉइंट्स की भूमिका खास महत्वपूर्ण मानी जाती है। इनमें से कुछ खास चौके पॉइंट्स का महत्व और भी ज्यादा है। होर्मुज़ स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा का सबसे अग्रम चौके पॉइंट है। यह ईंधन और ओषधन के बीच स्थित है। हर दिन लगभग 1.7-2 करोड़ बैरल तेल इसी मार्ग से गुजरता है, जो फारस की खाड़ी से एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक पहुंचता है। लाल सागर का द्वार। अगर होर्मुज़ स्ट्रेट महत्वपूर्ण एनर्जी (तेल-गैस) चौके पॉइंट है, तो बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट एशिया और यूरोप के बीच व्यापार का मुख्य मार्ग। दुनिया का लगभग 10-12% समुद्री व्यापार इसी मार्ग से होता है। अगर यह बंद हो जाए, तो जहाजों को केप ऑफ गुड होप के चारों ओर लंबा और महंगा वरतना लेना पड़ेगा। चीन का मुख्य मार्ग। मलक्का स्ट्रेट

एशिया के व्यापार और ऊर्जा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह मार्ग इंडोनेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर के बीच संकरा है। यहां किसी तरह की सख्तबांद आती है, तो जहाजों को सुंडा या लेम्बोका मार्ग से होकर गुजरना पड़ता, जो काफी लंबा और खर्चीला साबित होगा। संघर्ष का कारण। आसमान भाषा में कहा जाय तो होर्मुज़ स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में टिकाव और नियंत्रण सत्ता को बचाव के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ये जलमार्ग अर्थव्यवस्था को बचा सकते हैं। छोटे देशों को ताकत में इजाजत कर सकते हैं और बड़े संघर्ष को शुरू कर सकते हैं। इनके कारण बन सकते हैं। सुरक्षित और वैश्विक मार्गों, साथ ही कम्पनी नियंत्रण के बिना ये चौके पॉइंट्स प्रभुत्व में आसानी से आ सकते हैं। (लेखक JNU में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के असोसिएट प्रोफेसर हैं)

BJP के लिए ज़रूरी होगी नीतीश की छाया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। उनके दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य है, कि वह अपने विचारों को प्रधानमंत्री मोदी को सुना सकें।

कॉमन रूम

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

नतीश की चुनौती। NDA में नीतीश सर्वप्रथम नेतृत्व माने जाते रहे हैं। अगर, वह अपने कर्तव्यों से कमजोर पड़ते दिखें। ललित सिंह का केंद्रीय मंत्री बनना, संयोजक का उभार और अशोक चौधरी की नजरबंदी ने BJP से स्थिते मजबूत किए। अब इन नेतृत्वों पर ही नीतीश के गुरुवार को पटकथा गढ़ने के आगेपे लग रहे हैं।

रामकथा बनी मोरन के लिए संजीवनी

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान के दुर्गम जिले के खडगढ गांव में मृत हो चुकी मोरन नदी को जीवित करने के लिए एक संजीवनी का प्रयास किया जा रहा है।



परेशानियां सदा ठहरी नहीं रहती, समय हर समस्या का समाधान सौच्य देता है।

जीवन एक सफर है, और इसमें सुख व दुख - दोनों ही हमारे साथी होते हैं। कभी इस सफर का रास्ता सरल लगता है, तो कभी चुनौतियों से भरा। ऐसे में जो गुण हमें संचालित रखते हैं, और हमारा मनोबल बढ़ाते हैं, वे ही हैं। यही वह शक्ति है, जो हमें हर परिस्थिति में संतुलित रहने की प्रेरणा देती है और यह विश्वास दिलाती है कि कठिन समय हमेशा नहीं रहता।

जब जीवन में परेशानियां आती हैं, तो मन धरासा जाता है। हमें लगता है कि कुछ कभी समाप्त नहीं होगा। लेकिन, प्रकृति का नियम स्पष्ट है कि कुछ भी स्थायी नहीं होता। जैसे दिन के बाद रात और फिर रात के बाद दिन आता है, वैसे ही हर कठिन समय के बाद अच्छे दिन भी आते हैं। इस सत्य को समझ लेना ही आध्यात्मिकता की पहली सीढ़ी है। धैर्य का अर्थ अर्थकत प्रतीक्षा करना नहीं, उस कठिन समय को सहजगत्त सौच्य और विश्वास के साथ जीना है।

जब हम धैर्य रखते हैं, तो अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानते हैं। इससे हमें संचय मिलती है कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, मन को स्थिर रखना आवश्यक है। यही स्थिरता हमें सही निर्णय लेने की क्षमता देती है।

अक्सर हम समस्याओं का तुलना समाधान करते हैं, लेकिन हर समस्या का हल समय के साथ ही होता है। अधीरता हमें फलतः निर्णयों की ओर ले जा सकती है, जो जीवन को और कठिन बना देते हैं। इसलिए, धैर्य केवल एक गुण नहीं, सफलता की कुंजी है। आध्यात्मिक दृष्टि से हर दुख एक सौच्य लेकर आता है। यह हमें मजबूत बनाता है और हमारी धारणाओं को निखारता है। इसका हर परिणाम सौच्य ही होता है।

जीवन का सत्य है कि आज का दुख कल की शक्ति बन सकता है। इसलिए जब भी कठिन समय आए, धरासा नहीं, धैर्य बनाए रखना है, विश्वास को टिकाए रखना है, क्योंकि यह समय भी जीत जाएगा और अच्छा अवसर मिलेगा।

संजीवनी का अर्थ है जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास। यह एक संजीवनी का प्रयास है, जो जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

संजीवनी का अर्थ है जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास। यह एक संजीवनी का प्रयास है, जो जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

संजीवनी का अर्थ है जीवन को पुनर्जीव

GALGOTIAS UNIVERSITY

Ranked Globally.

Committed to making India Proud.



Ranked 11th
in India amongst Private Universities

WORLD UNIVERSITY RANKINGS
BY SUBJECT 2026

For Computer Science and Information Systems

Ranked 30th
in India amongst all Private and Government Universities

Ranked 2nd
in Uttar Pradesh amongst Private Universities

Launched India's Finest Active Learning Campus

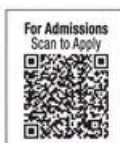


G-SCALE moves education beyond passive lectures to an environment where students actively engage in real-world problem-solving, collaboration, and experiential learning.

Ranked 601-650
Band Globally

Centre for Drone Intelligence & Simulation	Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab	Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab	HP-Intel AI for Future Workforce Lab	Semiconductor Research Lab
INDUSTRY INTEGRATED ACADEMIC CENTRES				
Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs	Advanced Geotechnical and Earth Science Centre	Centre for Design Thinking & Augmented Reality	TATA Technologies Learning Centre	Cisco Centre of Excellence

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSED 2026-27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES
 Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship



#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **9971026125** **0120-4370000**
Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

खाड़ी में जंग 39 दिन



तेहरान बोला- मानव श्रृंखला बनाकर ट्रंप की धमकियों का जवाब दें, इस्त्राइल बोला- ट्रेनों से दूर रहें लोग

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान में गांधीगिरी

युद्ध किसके लिए?

युद्ध की सीमा तय करने के लिए युद्ध शुरू हो चुका है। यह कथन, जिसका कोई कसूर नहीं था और जिसे वह दुनिया के बाहरी बलकों से नहीं रोका जा रहा है। अमेरिकी सरकार ने इस युद्ध के शुरू होने से पहले ही युद्ध की शुरुआत कर दी थी। युद्ध की शुरुआत के बाद ही युद्ध की शुरुआत कर दी थी। युद्ध की शुरुआत के बाद ही युद्ध की शुरुआत कर दी थी।

अब भी इस युद्ध पर अपनी राय हमें **nbtreader.com** पर टिप्पणी कर सकते हैं।

वॉर अपडेट

ट्रंप की धमकी पर UN चीफ की चिंता

संयुक्त राष्ट्र (UN) ने ट्रंप के इस बयान पर चिंता जताई है। इससे ईरान के खिलाफ सशस्त्र हमलों की धमकी दी गई है। UN महासचिव एंटीयोको गुटेरिज ने कहा, 'अमेरिकी धमकी को लेकर चिंता है।'

'सोलकी के शव का हो DNA टेस्ट'

बम्बे शहदों में मालक को पहिचान करने के लिए DNA टेस्ट का निर्देश दिया है।

चर्चा में क्यों है ईरान की पिक मिसाइल

ईरान की सेना IRGC से जुड़े एक टैलरान में एक मिसाइल को सफलतापूर्वक परीक्षण करने में सक्षम हो गई है।

IRGC जनरल की हत्या की निंदा की

ईरान के सर्वोच्च नेता मेजाब खामनेई ने IRGC के एक वरिष्ठ जनरल की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

एपी/एएफपी, युवर्ष/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के पुनर्चयन के बाद ईरान में मंगलवार से गांधीगिरी का ट्रेंड शुरू हो गया है। सरकार की अश्लीलता के बाद ईरान के युवा, कलाकार, शिक्षार्थी, छात्र और शिक्षक मानव श्रृंखला बनाकर ट्रंप की धमकी का विरोध कर रहे हैं। ईरानी सैनिकों को अश्लीलता में भी तेहरान के दमकते हुए प्लांट के बाहर पार्किंग बंद करने 'टार' (Tar) को बनकर विरोध दर्ज कराया। इस्त्राइल विधेय 'मोसैब' ने चेतावनी जारी करते हुए पूरे ईरान के लोगों को ट्रेंड और रेलवे लाइनों से दूर रहने की गुहारिश्च की है। इस्त्राइल ने चेतावनी दी है कि उनकी जान खतरे में पड़ सकती है। इस्त्राइल की इस धमकी के बाद कुछ रेलवे स्टेशनों पर हलबाज ट्रेनों की यात्री, तेहरान में मंगलवार तक के रातों रात 7 बॉम्बिंगें हुईं। इस्त्राइल ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी सैनिकों को अश्लीलता में भी तेहरान के दमकते हुए प्लांट के बाहर पार्किंग बंद करने 'टार' (Tar) को बनकर विरोध दर्ज कराया।

मिस्रक कहेंगे इस्त्राइल पर हमला युद्ध अपराध है

ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो में ईरान की 'मुजाहिद क्राइमिनेल ऑफिस' के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस्त्राइल के विधेय अश्लीलता में युद्ध शुरू है। इस्त्राइल के विधेय अश्लीलता में युद्ध शुरू है। इस्त्राइल के विधेय अश्लीलता में युद्ध शुरू है।

ईरान की सेना बोली, गल्फ के इम्रान को भी बनाएंगे निराशा

ईरान की सेना IRGC ने अमेरिकी सेना को चेतावनी दी है कि वह ईरान में अश्लीलता में युद्ध शुरू है। इस्त्राइल के विधेय अश्लीलता में युद्ध शुरू है। इस्त्राइल के विधेय अश्लीलता में युद्ध शुरू है।



ख़ामन घेन ईरान में पावर प्लांट, पुल के आसपास लोग इस तरह से विरोध कर रहे हैं।

खार्ग द्वीप पर हमला, अल्बोर्ज में 18 की मौत



तेहरान में मंगलवार को कई जगह धमाके हुए

ईरान के राष्ट्रपति बोले, शहीद होने को तैयार 1.4 करोड़ लोग

सोशल मीडिया पर कहा, सब कुछ न्योछावर करने वालों में मैं सबसे आगे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिफिकान ने कहा कि देश में 1.4 करोड़ लोग, जिन्हें वह युद्ध में शामिल है, युद्ध में शहीद होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह बयान सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

इस्त्राइल में युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन



इस्त्राइल के तेल अरैब में सोमवार को अमेरिकी दूतावास के बाहर आम पक्षी कार्यक्रमों में ईरान के साथ जारी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया।

किस मीडिया लीक की बात कर रहे थे ट्रंप

ट्रंप ने कहा, 'मैं इस मीडिया कंपनी को घास जागो और कहे लीकर जो जानकारी दो, नहीं तो जेल जाओ।' पत्रकार ने नाम नहीं बताया, तो वह खुद जेल जाया।

ये 5 पुल ईरान के लाइफलाइन, ट्रंप की धमकी के बाद खतरे में इन पुलों पर हमले के प्लान को ट्रंप ने कहा है ब्रिज डे

- परिचय गल्फ ब्रिज (कश्मिर द्वीप)**
स्थान: कश्मिर द्वीप, भारत
लंबाई: 3.4 किमी
अभी सिक 15-18% काम पूरा हुआ है। यह 50 साल पुराना पुल को बचाने के लिए बनाया गया है।
- लोक उर्मिया ब्रिज (शहीद कालसरी ब्रिज)**
स्थान: अज़रबैजान
लंबाई: 1.7 किमी
29 साल की उमिर निर्माण प्रक्रिया में है।
- सदर मस्टीलेवल एक्सप्रेसवे**
स्थान: तेहरान
लंबाई: 11 किमी
2013 में उद्घाटन हुआ और मध्य को सबसे लंबे मस्टीलेवल पुल है।
- कर्मन 4 आर्च ब्रिज**
स्थान: ईरान का पश्चिम तट
लंबाई: 378 मीटर
2015 में उद्घाटन हुआ था।
- गदर केबल-स्टे ब्रिज**
स्थान: अज़रबैजान, तुर्कमेनिस्तान
लंबाई: 1.014 मीटर
2012 में पूरी तरह खोल दिया गया।

रिपोर्ट में दावा, बेहोशी की हालत में इलाज करा रहे ईरान के सुप्रीम लीडर

इस्त्राइल की खुफिया सूचना, ईरान के शहर कोम में भर्ती है

ईरान की सेना को लेकर चौकन्ने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में दावा है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजाब खामनेई का हालत बेहोशी में है।

तुर्किये की राजधानी में इस्त्राइली वाणिज्य दूतावास पर हमला

एपी, इस्तांबुल

तुर्किये के इस्तांबुल में मंगलवार को इस्त्राइली वाणिज्य दूतावास की इमारत के बाहर बंदूकधारी ने पुलिस पर गोलीबारी की।

ट्रंप ने ईरान के पुल, पावर प्लांट को तबाह करने की धमकी दी, जिसके बाद इस पर तजो हुई चर्चा क्या होता है युद्ध अपराध, इसे मानने के लिए बाध्य क्यों हैं सभी देश

नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि पूरे देश को एक ही तरह से तबाह कर सकते हैं।

विशाल शर्मा
@timesofindia

जिनीवा कन्वेंशन का क्या है नियम: सम्मानजनक बर्ताव देना अनिवार्य है।

युद्ध अपराध का सजा क्या है: युद्ध अपराध के लिए सजा मौत हो सकती है।

अमेरिकी पर आरोप

- इराक युद्ध (2003) के दौरान नागरिकों की मौत।
- अबू ग्रीब जेल कांड में कैदीओं के साथ बर्ताव और अमान्य।
- यून एमवी में अज्ञान नागरिकों के मारे जाने के आरोप।
- अमेरिकन ने कई मामलों में जांच की और कुछ सैनिकों को सजा दी है।

ईरान के खिलाफ दावे

- ईरान पर सौंपे हुए अज्ञान सैनिकों को मारने के आरोप।
- ईरान की जांच नागरिकों की मौत।
- ईरान उन आरोपों को खारिज कर रहा है।

फटाफट खबरें

औरत का भेष बनाकर ड्राइवर को लूटा

■ NBT न्यूज, जैद, जिले में औरत के कपड़े पहनकर एक भिक्षु आइडल को लूटने का मामला सामने आया है। औरत ने भिक्षु के रूप में भेष बनाकर औरत को लूटा। ड्राइवर पर ईट से हमला किया और 25 हजार रुपये की नगदी को लूट करवा हो गया।

प्राइमरी टीचरों की भर्ती में गरीबों का बढ़ा कोटा

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: हरियाणा में मेडन केडर के प्राथमिक शिक्षकों के 1456 पदों पर चल रही भर्ती में अब अधिक रूप से कमजोर वर्ग (ईएचएसएल) के अभ्यर्थियों को अधिक आश्वासन मिलेगा।

कोर्ट के फैसले लिखने में AI यूज करने पर HC की रोक

■ PTL, चंडीगढ़: पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बड़े उपयोग के बीच पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा कि यह अप्रकार्य है।

हिसार में किसान का घरना प्रदर्शन

■ NBT न्यूज, हिसार: संसुप्त किसान जयपुर टोल क्राइम के बैनर तले मालवा को हिसार जिले की बरवाल मंडी में किसानों ने मालवा को सरकार के नए खरीद निर्यात के विवाद को लेकर धरना-प्रदर्शन किया।

जेल में तबीयत खराब, इलाज के दौरान मौत

■ NBT न्यूज, करनाल: जिला जेल में बंद एक केटी की उल्टी शिकन के बाद मालवा को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

नो AI इन कोर्ट

■ हाईकोर्ट प्रशासन ने सभी न्यायिक अधिकारियों को फिटर जारी कर स्पष्ट किया है कि वे कोर्ट के लिए एआई टूल का उपयोग न करें।

31 मई तक पानी का बिल दें, ब्याज और जुर्माना माफ

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने शहरों में पानी और खेती के लिए पानी का बिल नहीं चुकाने वाले उपभोक्ताओं को शरत दी है।

फिरौती मांगने वालों की राह में रोड़ा बना पुलिस का अभेद्य ऐप

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: हरियाणा में फिरौती मांगने वाले धमकी देने वाली घटनाओं पर काबू पाने के लिए पुलिस द्वारा नया 'अभेद्य' ऐप तैयार किया गया है।

बच्चों को छह साल पूरे होने पर ही पहली क्लास में मिलेगा दाखिला

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: हरियाणा में नए शिक्षा सत्र के दौरान छह साल की आयु पूरी करने वाले बच्चों को ही पहली कक्षा में दाखिला मिलेगा।



हरियाणा में नए शिक्षा सत्र के दौरान छह साल की आयु पूरी करने वाले बच्चों को ही पहली कक्षा में दाखिला मिलेगा।

■ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियम-2003 में संशोधन किया है।

प्री-प्राइमरी में होंगे कम उम्र के बच्चे

■ नए नियमों के अनुसार अब बच्चे छह साल से कम उम्र के होने उन्नी पहली कक्षा में दाखिल नहीं मिलेंगे।

TIMES TRIBUTE PAYING HONOR TO THE DEPARTED SOUL To book your ad Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)

Prayer Meeting In loving memory of Mr. S.B. Gupta Please join us as we honor the memory of our beloved father and grandfather

In loving memory of Smt. Sarla Aggarwal & Shri. Jagdish Aggarwal Fifty seven years together, fifteen days apart

ड्राइवर पर शराब के नशे में स्कूल बस चलाने का आरोप

■ NBT न्यूज, करनाल: करनाल में मालवा को एक ड्राइवर पर शराब के नशे में पुर होकर स्कूल बस चलाने का आरोप है।

जीप से पिता को कुचलकर मारने का आरोपी गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, हिसार: हिसार जिले के डबवाली क्षेत्र के आनंदपुर खोखला गांव में बुढ़ों की हत्या के आरोप में बेटे को मालवा को गिरफ्तार कर लिया।

TIMES TRIBUTES RATE CARD Publications Rates per sq. cms. TOID Capital + NBT (Delhi+NCR) 1295 TOID Full Run #* + NBT (Delhi+NCR) 1360

करनाल में पशु तस्करों से मुठभेड़, गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, करनाल: जिले के इंदी क्षेत्र में पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई है और पुरे मामले को हलन जांच को जा रही है।

शोक पीने से आठ की तबीयत बिगड़ी

■ NBT न्यूज, करनाल: शहर में एक ही परिवार के आठ लड़कों की तबीयत मालवा को उस समय बिगड़ गई, जब उन्होंने शोक पीने से शोक की तबीयत बिगड़ी।

कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले की आरोपी ने किया सरेंडर

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: चंनकुल में एक करीबी 160 करोड़ के कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले की आरोपी स्थायी होमर से सोमवार को एक एग्सीबी के समक्ष सरेंडर कर दिया।

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in